शिक्षक - रवि शंकर राय, विषय - अर्थशास्त्र
दिनांक - 19-09-2020, वर्ग - BA-III

प्रश्न :- ब्रिटिश अर्थव्यवस्था के प्रधान विशेषताओं की संक्षिप्त व्याख्या कीजिये।
Briefly discuss the main features of British Economy.

Ans :- फ्रांसीसी राज्यक्रांति के समय (1789) ई. से लेकर प्रथम महा ब्रिटेन की महानता के आधार ~~प्रथम~~ युद्ध (1914) तक औद्योगिक और व्यापारिक दृष्टि से ग्रेट ब्रिटेन की सम्पूर्ण विश्व में सर्वोच्चता कायम रही। प्रथम महा-युद्ध तथा तीसा की महामंदी ने ब्रिटिश अर्थव्यवस्था का गहरा आघात पहुँचाया। विश्व का आर्थिक नेतृत्व ब्रिटेन के हाथों से निकलकर संयुक्त राज्य अमेरिका के हाथों में चला गया। युद्धोत्तरकाल में ब्रिटेन का औपनिवेशिक साम्राज्य समाप्त हो गया। यद्यपि विश्व का इस समय आर्थिक नेतृत्व संयुक्त राज्य अमेरिका तथा सोवियत संघ को प्राप्त है। तथापि आज

भी ग्रेट ब्रिटेन आर्थिक, राजनैतिक एवं सांख्यिकी दृष्टि से संसार का विकसित देश माना जाता है।—

ब्रिटिश अर्थव्यवस्था की विशेषताएं—

1) राष्ट्रीय आय और प्रति व्यक्ति आय का ऊँचा स्तर — 1945 में ग्रेट ब्रिटेन का कुल राष्ट्रीय उत्पाद (विदेशों से प्राप्त निवल आय सहित), 9953 करोड़ डॉलर था। जो 1984 में बढ़कर 42537 करोड़ डॉलर हो गया। स्थिर मूल्यों के आधार पर विगत दस वर्षों में ब्रिटेन की समग्र राष्ट्रीय आय में 30% की वृद्धि हुई है। अतः ब्रिटेन में आर्थिक प्रगति की दर 3% वार्षिक मानी जा सकती है जो परिपक्व अर्थव्यवस्था के लिए पर्याप्त है। 1984-85 में यहाँ प्रतिव्यक्ति आय 8570 डॉलर थी अर्थात औसत भारतीय की वार्षिक आय से 35 गुना अधिक। विगत 10 वर्षों में ग्रेट ब्रिटेन की मूल्य स्तर में केवल 24% की वृद्धि हुई है, जबकि मजदूरियों में 53% वृद्धि हुई है। युद्धोत्तरकालीन मुद्रा स्फीति पर नियंत्रण रखकर, ग्रेट ब्रिटेन का व्यक्तिगत आय के वास्तविक मूल्यों को गिरने से रोकने में सफल रहा है।

2) उद्योग-प्रधान अर्थव्यवस्था ⇒ औद्योगिक क्रांति के पश्चात ब्रिटिश अर्थव्यवस्था कृषि प्रधान से बदलकर उद्योग प्रधान बन गई। 1870 से लेकर 1913 तक ब्रिटिश अर्थव्यवस्था के कृषि क्षेत्र में संलग्न श्रमशक्ति में 46% की गिरावट आई, जिसका आर्थिक विकास पर अनुकूल प्रभाव पड़ा। 1870 और 1913 के बीच ब्रिटेन की राष्ट्रीय आय में 187% की वृद्धि हुई। इस समय ग्रेट-ब्रिटेन की केवल 2% श्रमशक्ति कृषि क्षेत्र में संलग्न है। 42% श्रम उद्योग क्षेत्र में है तथा शेष 56% श्रमशक्ति सेवा क्षेत्र में संलग्न है। 1984 में इसमें कुल राष्ट्रीय उत्पाद का 2% कृषि क्षेत्र से, 34% उद्योग क्षेत्र से तथा शेष 64% सेवा क्षेत्र से प्राप्त हो। स्पष्टतः ब्रिटिश अर्थव्यवस्था में विनिर्माण उद्योग की प्रधानता है तथा प्राथमिक उपक्रमों का अत्यन्त गौण स्थान है।

3) मिश्रित अर्थव्यवस्था :- मिश्रित अर्थव्यवस्था का विचार सर्वप्रथम ग्रेट-ब्रिटेन ने 1946 में अपनाया। इसके मिश्रित अर्थव्यवस्था में निजी और सार्वजनिक अर्थव्यवस्था का सह-अस्तित्व विद्यमान है। रेलवे प्रणाली, कोयले की खानें, डाक तार, एवं रेडियो प्रसारण, विद्युत ~~और~~ और गैस का

उत्पादन एवं वितरण, वायु तथा सड़क परिवहन लोक क्षेत्र के अन्तर्गत हैं। आर्थिक प्रगति का मूल्यांकन तथा आर्थिक विकास की गति तीव्र करने के लिए ब्रिटेन में आर्थिक नियोजन का आश्रय लिया गया है। नियोजन कार्यों ~~के लिए~~ में सहयोग देने के लिए राष्ट्रीय आर्थिक विकास परिषद, आर्थिक मामलों का विभाग आर्थिक विकास कमीशनों तथा क्षेत्रीय आर्थिक नियोजन परिषदें स्थापित की गयी हैं।

4) जनांकिकीय विशेषताएँ ⇒ 1981 के जनगणना के अनुसार ग्रेट-ब्रिटेन की कुल जन संख्या 55.3 मिलियन था। 1981 में यह 52.7 मिलियन था। इस तरह दो दशक के बीच जनसंख्या में 26 लाख की वृद्धि हुई अर्थात जनसंख्या वृद्धि का दर 0.5% वार्षिक औसतन अधिक रही। जनसंख्या की दृष्टि से ब्रिटेन का विश्व में चौथा स्थान है। यहाँ जनसंख्या घनत्व 231/वर्ग किलो मी2 है। जन्म दर 13.2/1000 तथा मृत्यु दर 12/1000 है। कुल जनसंख्या में समशक्ति का अनुपात 65% है। यहाँ साक्षरता का दर 100% है। केवल 8% जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में और शेष 92% शहरी क्षेत्रों में निवास करती है। प्रति 1000 पुरुषों पर 1170 स्त्रियाँ हैं।